रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 30 मई, 2026

वर्ष-2 | अंक-127 | कुल पृष्ठः8-Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दर्दनाक हादसा

चार लोगों की दर्दनाक मौत; 41 लोग हुए घायल

प्रशासन ने राहत-बचाव कार्य चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया

उमरिया. उमरिया से लगे अनुपपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया।

पुष्पराजगढ़ ब्लॉक के गिंजरी गांव स्थित शनि मंदिर के पास श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 4 ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 41 लोग घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पड़मनिया और आसपास के करीब 50 ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर बिजौरा में आयोजित पूजन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। यात्रा के दौरान अनूपपुर सीमा से लगे तिवनी गांव स्थित सनी धाम के पास अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे पलट गया।

हादसा इतना भयावह था कि ट्रॉली में बैठे कई लोग उसके नीचे दब गए। मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े और घायलों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलते ही पाली एसडीएम, पुलिस प्रशासन और राजस्व अमला मौके पर पहुंच गया। स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

घायलों को एम्बुलेंस और अन्य निजी वाहनों की सहायता से पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार जारी है। गंभीर रूप से घायल कई लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस दर्दनाक हादसे में जिन ग्रामीणों की मौत हुई है, उनमें घनश्याम गोड़ निवासी पड़मनिया, सहबल बैगा निवासी गिंजरी, वीर सिंह पिता माधव सिंह निवासी गिंजरी तथा भूपति सिंह पिता भगीरथ सिंह निवासी पड़वानिया शामिल हैं। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के गांवों में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

क्या बोले ग्रामीण?

वहीं इस हादसे ने पाली अस्पताल की बदहाली की भी पोल खोल दी। बड़ी संख्या में घायल पहुंचने के बाद अस्पताल में पर्याप्त स्ट्रेचर तक उपलब्ध नहीं थे। कई घायलों को जमीन पर लिटाकर इलाज करना पड़ा। अस्पताल परिसर में अव्यवस्था का माहौल दिखाई दिया। गंभीर हादसे के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था की ऐसी तस्वीर सामने आने से लोगों में नाराजगी भी देखी गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध होते तो घायलों को ज्यादा राहत मिल सकती थी। हादसे के बाद प्रशासनिक व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

खरगोन में अवैध हथियार फैक्टरी पर पुलिस का छापा

पांच आरोपी गिरफ्तार

मौके से 9 देशी पिस्टल, 2 कट्टे समेत हथियार बनाने की मशीनें और सामग्री बरामद हुई

खरगोन जिले में अवैध हथियार निर्माण और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खरगोन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

थाना गोगावां और सनावद पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम सिगनूर में रूपा नदी किनारे संचालित अवैध हथियार फैक्टरी पर छापा मारकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से 11 हथियारों के साथ बड़ी मात्रा में हथियार बनाने की सामग्री और उपकरण बरामद किए गए हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 9 हस्तनिर्मित देशी पिस्टल और 2 देशी कट्टे जब्त किए हैं। इसके अलावा 2 अधबनी पिस्टल, 11 बैरल, 3 ग्राइंडर मशीन, 2 मैगजीन, 4 अधबनी मैगजीन, पिस्टल और मैगजीन बनाने के सांचे, भट्टी ब्लोअर, हथौड़ी, संडासी और पेचकस सहित अन्य उपकरण भी बरामद किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 2 लाख 75 हजार रुपये आंकी गई है।इसी दौरान 29 मई 2026 को थाना गोगावां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सिगनूर में रूपा नदी के किनारे कुछ लोग अवैध हथियार बना रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद गोगावां और सनावद पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पांच लोगों को हथियार बनाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास सिंह सिकलीगर (19), कान्हा सिकलीगर (30), सूरजसिंह सिकलीगर (40), गुरूबादलसिंह सिकलीगर (22) और रोशन सिंह (19) के रूप में हुई है। सभी आरोपी ग्राम सिगनूर के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(क) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले से भी आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों की सप्लाई किन इलाकों में की जा रही थी और इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग

सीएचएल केयर अस्पताल का पंजीयन होगा निरस्त

स्वास्थ्य विभाग ने दिया नोटिस

इंदौर. इंदौर के सीएचएल केयर अस्पताल का स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान कई कमियां मिलीं। इन्हें आधार बनाते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने पंजीयन निरस्त करने का नोटिस जारी किया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसानी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान ओपीडी, इमरजेंसी विभाग, फार्मेसी विभाग, कार्डियक एवं न्यूरो सर्जरी, पैथोलॉजी एवं ब्लड बैंक, तथा बिल्डिंग मेंटेनेंस से संबंधित दस्तावेजों में कई कमियां पाई गईं। अधिकारियों ने इन्हें गंभीर मानते हुए अस्पताल को नोटिस जारी किया है। अस्पताल प्रबंधन को जवाब प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया जाएगा।

इसके अलावा, स्कीम नंबर-54 स्थित यूनीवर्सल हॉस्पिटल एंड केयर सेंटर में भी कई अनियमितताएं पाई गईं। सेंटर की सोनोग्राफी मशीन सील कर दी गई।पिछले दिनों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने टीम गठित कर यूनीवर्सल हॉस्पिटल एंड केयर सेंटर का निरीक्षण कराया था। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अस्पताल में डॉ. अर्पित जैन एवं डॉ. सचिन भटेले अपंजीकृत चिकित्सक के रूप में ईको संबंधी कार्य कर रहे थे। इसके बाद शुक्रवार को डॉ. कल्पना भटनागर और दीपमाला बमने ने पीसीपीएनडीटी दल को मौके पर भेजकर सेंटर में स्थित सभी सोनोग्राफी मशीनों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया।

इंदौर पुलिस अब और होगी हाइटेक..

टैबलेट के माध्यम से डिजिटल साक्ष्यों का संकलन सहित होगा प्रकरणों में और बेहतर अनुसंधान

इंदौर - पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, आधुनिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस मुख्यालय से प्राप्त टैबलेट विभिन्न थानों के विवेचना अधिकारियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इन आधुनिक संसाधनों के माध्यम से अनुसंधान कार्यों में गति, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी।

इसी क्रम में आज दिनांक 29 मई 2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय, इंदौर में विवेचना अधिकारियों हेतु टैबलेट वितरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री मयंक अवस्थी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमन सिंह राठौड़, पुलिस उपायुक्त जोन-04 श्री सुनील मेहता एवं अन्य पुलिस अधिकारीगण सहित विभिन्न थानों के विवेचना अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा विवेचना अधिकारियों को टैबलेट वितरित किए गए और बताया कि पूर्व के 176 तथा नए 697 टैबलेट, इस प्रकार कुल 873 इंदौर पुलिस को मिले है, जो सभी थानों के विवेचना अधिकारियों को प्रदाय किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को इन आधुनिक उपकरणों का प्रभावी उपयोग करते हुए डिजिटल एवं अन्य प्रकार के साक्ष्यों के बेहतर संकलन, सुरक्षित प्रबंधन एवं ई-विवेचना ऐप के माध्यम से अनुसंधान कार्यों को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी ढंग से संपादित करने हेतु निर्देशित किया गया।

सभी अधिकारियों को ऑनलाइन अनुसंधान, केस डायरी संधारण, डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण, साइबर संबंधी अनुसंधान तकनीकों एवं तकनीकी संसाधनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण विवेचना संबंधी विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

साथ ही पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में अपराधों की प्रकृति तेजी से बदल रही है, ऐसे में तकनीक आधारित पुलिसिंग समय की आवश्यकता है। आधुनिक डिजिटल उपकरणों के उपयोग से विवेचना कार्य अधिक सटीक, पारदर्शी एवं त्वरित होगा, जिससे आमजन को बेहतर एवं प्रभावी पुलिस सेवा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा भविष्य में भी पुलिस बल को तकनीकी रूप से सशक्त, प्रशिक्षित एवं दक्ष बनाने हेतु प्रयास निरन्तर रूप से किए जाते रहेंगे।

अशोकनगर से रवि वंशकार

आज दिनांक 29/ 05/ 26 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महिदपुर में टीबी मुक्त भारत अभियान 100 दिवस टीबी chest x Ray कैम्प किया गया जिसमें ईसागढ़ सीएचसी से स्टाफ
दीपेश शर्मा रेडियोग्राफर
ममता शर्मा S.T.S
आजाद लोधी C H O
सुनीता लोधी A N M
आशा अनीता जाटव
आशा रामादेवी राय
आशा भाना वाल्मीक
आशा सहयोगी राजेश यादव
हेल्पर वर्कर संजीव कुशवाह एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे.

मंत्री श्री सारंग ने किया निर्माणाधीन 10 लेन करोंद बायपास प्रोजेक्ट का निरीक्षण

भोपाल.सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को निर्माणाधीन 10 लेन करोंद बायपास परियोजना का एनएचएआई, नगर निगम, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, मेट्रो कॉर्पोरेशन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य की प्रगति, यातायात व्यवस्था, जनसुविधाओं एवं निर्माण कार्य के दौरान उत्पन्न हो रही समस्याओं का मौके पर जायजा लेकर संबंधित आधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

अस्थायी रूप से टैंकरों के माध्यम से करें पानी की व्यवस्था

निरीक्षण में मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार की लापरवाही के कारण पानी लाइन बार-बार क्षतिग्रस्त होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण नागरिकों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिये तत्काल एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जहां भी पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहां तत्काल अस्थायी रूप से टैंकरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

अव्यवस्थाओं को लेकर की नाराजगी व्यक्त

मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य में सामने आ रही व्यवस्थागत कमियों एवं अव्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि करोंद बायपास परियोजना शहर के यातायात को सुगम बनाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्माण कार्य के कारण नागरिकों को अनावश्यक परेशानियां न उठानी पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात, आवागमन एवं दैनिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य करें।

बामौर कलां में ज्ञान की गंगा

सांगानेर से पधारे विद्वानद्वय का सकल दिगंबर जैन समाज ने किया भव्य स्वागत

पं. कमलेश शास्त्री ने 50+ महिलाओं को पढ़ाया छहढाला, पं. सृजन शास्त्री ने महिलाओं को आलाप पद्धति व बच्चों को पाठमाला का कराया अध्ययन

अतुल जैन

बामौर कलां। धर्म और संस्कारों की पावन भूमि बने बामौर कलां में इन दिनों श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के माध्यम से धार्मिक चेतना का अद्भुत वातावरण निर्मित हो रहा है।

शिविर में राजस्थान के सांगानेर से पधारे विद्वान पंडित कमलेश शास्त्री एवं युवा विद्वान पंडित सृजन शास्त्री के सान्निध्य में समाजजन धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा दोनों विद्वानों का भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समाजजनों ने पुष्पमालाएं पहनाकर, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला।

महिलाओं ने लिया धर्म ज्ञान का अमृत लाभ

विद्वान पंडित कमलेश शास्त्री द्वारा महिलाओं को धर्म शिक्षण सेवा के अंतर्गत "महान ग्रंथ" का अत्यंत सरल, प्रभावशाली एवं भावपूर्ण अध्ययन कराया गया। लगभग 50 से अधिक महिलाओं ने नियमित रूप से बैठकर धर्म लाभ प्राप्त किया। शास्त्री जी ने अपने प्रवचनों एवं अध्ययन शैली के माध्यम से धर्म के गूढ़ विषयों को सहज भाषा में समझाया, जिससे महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। शिविर में प्रतिदिन स्वाध्याय, जप, धर्म चर्चा एवं संस्कारमयी गतिविधियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

बच्चों को संस्कारों के साथ कराया जा रहा शास्त्र अध्ययन

युवा विद्वान पंडित सृजन शास्त्री द्वारा बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को "न्याय का ग्रंथ", "आलाप पद्धति" सहित भाग-1 एवं भाग-2 का विशेष अध्ययन कराया जा रहा है। बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ अध्ययन में भाग लिया। शिविर के माध्यम से बच्चों को केवल धार्मिक शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन में अनुशासन, संस्कृति, नैतिकता एवं जैन परंपराओं का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समाजजनों ने कहा कि आज के आधुनिक दौर में ऐसे संस्कार शिविर नई पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बन रहे हैं।

धर्म शिक्षण शिविर बना समाज में जागृति का केंद्र

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर के माध्यम से पूरे क्षेत्र में धार्मिक जागृति एवं संस्कारों का वातावरण निर्मित हो रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा एवं बच्चे शिविर में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि विद्वान पंडितों के सान्निध्य में चल रहा यह शिविर समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी साबित हो रहा है। इससे बच्चों और युवाओं में धर्म के प्रति आस्था एवं अध्ययन की भावना मजबूत हो रही है।

सम्मान समारोह में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

स्वागत एवं सम्मान समारोह के दौरान समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्वानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की मंगलकामनाएं की गईं। पूरे आयोजन में धर्म, ज्ञान और संस्कारों का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने बामौर कलां की धार्मिक पहचान को और अधिक गौरवान्वित किया।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आत्मिक अनुशासन को पाने का सहज, सरल मार्ग — सहजयोग

आज का युग तीव्र भागदौड़, मानसिक तनाव और अस्थिरता का दौर है। ऐसे समय में संपूर्ण विश्व आध्यात्मिक ध्यान योग की ओर अग्रसर हो रहा है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित सहजयोग ध्यान पद्धति को विश्वभर में मान्यता प्राप्त हो चुकी है। विदेशों में हुए अनेक शोधों ने भी यह सिद्ध किया है कि सहजयोग मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है।

परम पूज्य श्री माताजी का संदेश अत्यंत सरल और गहन है — "मनुष्य को स्वयं पर दया करनी चाहिए और अपनी आत्मा को प्रकाशित करने का संकल्प लेना चाहिए।सहजयोग हमें यह अनुभव कराता है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि शुद्ध आत्मा है। जब साधक श्रद्धा और सहजता से श्री माताजी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर पूछता है "हे माँ, क्या मैं आत्मा हूँ?", "हे माँ, क्या मैं स्वयं का गुरु हूँ?" तो भीतर प्रवाहित होने वाली चैतन्य लहरियाँ स्वयं उत्तर देने लगती हैं। यह अनुभव शब्दों से परे, पूर्णतः आत्मिक होता है। इस आत्मिक संवाद से पूर्व मनुष्य को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होता है, जो सहजयोग में अत्यंत सरल और स्वाभाविक प्रक्रिया है। आत्मसाक्षात्कार से पूर्व गुरु माँ होती हैं, किंतु आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक स्वयं अपना गुरु बन जाता है। यही वह अवस्था है जहाँ मनुष्य स्वयं को पहचानना प्रारंभ करता है। अपने भीतर स्थित आत्मा का बोध और स्वयं के गुरु होने का अनुभव जीवन का सर्वोच्च ज्ञान है। सहजयोग एक मौन ध्यान साधना है, जिसमें धीरे-धीरे विचारों का प्रवाह शांत होने लगता है। अनावश्यक चिंताएँ और मानसिक अशांति सहज रूप से पंचतत्व में विलीन होने लगती हैं। साधक विचारशून्यता की अवस्था में प्रवेश करता है — जहाँ विचार रुक जाते हैं, परंतु जागरूकता पूर्णतः बनी रहती है। इसी अवस्था में मनुष्य भीतर से सुख, शांति और दिव्य ऊर्जा का अनुभव करता है।

यह आध्यात्मिक स्थिति न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि जीवन में उत्साह, संतुलन और सकारात्मकता का संचार भी करती है। अपनी आत्मा को पहचानकर ईश्वरीय अनुकंपा का अधिकारी बनना प्रत्येक मनुष्य के लिए अत्यंत रोमांचकारी और कल्याणकारी अनुभव है। आइए, हम सभी मिलकर आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें — जो पूर्णतः निशुल्क, सरल और सदैव उपलब्ध है।

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

दूषित पेयजल को लेकर कांग्रेस का हमला

98% पानी के सैंपल फेल होने का दावा

राजेश धाकड़

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में प्रेस क्लब, इंदौर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेताओं ने शहर में दूषित पेयजल और नगर निगम की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए।

कांग्रेस ने दावा किया कि पार्टी द्वारा करवाई गई जांच में इंदौर के 98 प्रतिशत पानी के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे और अधिकांश क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा पानी पीने योग्य नहीं पाया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जांच रिपोर्ट ने नगर निगम और भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर कर दिया है। उनका आरोप था कि शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में प्रशासन पूरी तरह असफल साबित हुआ है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इंदौर को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में गिना जाता है, लेकिन यदि नागरिकों को शुद्ध पेयजल तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, तो यह प्रशासनिक दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़े अंतर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि दूषित पानी के कारण आम नागरिक बीमारियों का शिकार हो रहे हैं और नगर निगम इस गंभीर मुद्दे पर संवेदनशीलता नहीं दिखा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि नगर निगम और संबंधित विभाग तत्काल प्रभाव से पेयजल व्यवस्था में सुधार करें तथा दूषित जल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही शहरभर में पानी की गुणवत्ता की स्वतंत्र जांच कर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई गई। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि शहर में लगातार पानी की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन प्रशासन केवल दावे करने में लगा हुआ है। वहीं शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम की लापरवाही का खामियाजा आम जनता भुगत रही है। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस महासचिव संजीव सक्सेना, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो पार्टी शहरभर में आंदोलन करेगी और जनता के साथ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी।

शिवपुरी पुलिस को बड़ी सफलता

लूट और हत्या के मामले में फरार 10-10 हजार के इनामी 5 आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी से ऋषि गोस्वामी की रिपोर्ट

सुरवाया/शिवपुरी। शिवपुरी पुलिस ने अपराध और अपराधियों पर नकेल कसते हुए एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। थाना सुरवाया पुलिस ने लूट और हत्या जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 10-10 हजार रुपये के 5 इनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस की मुस्तैद कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के कुशल निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीब मुले व एसडीओपी (करैरा) डॉ. आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर यह दबिश दी। आज दिनांक 29 मई 2026 को थाना सुरवाया पुलिस ने इन शातिर अपराधियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों का विवरणः पुलिस द्वारा पकड़े गए सभी आरोपी लूट और हत्या के मामलों में वांछित थेः

अरविन्द यादव (22 वर्ष) - निवासी मायापुर

शनि योगी (24 वर्ष) - निवासी मायापुर

राहुल उर्फ छोटू झा (23 वर्ष) - निवासी मायापुर

राजेश पाल (24 वर्ष) - निवासी हरीपुर (मायापुर)

दिनेश पाल (21 वर्ष) - निवासी मल्हावनी (पिछोर)

इन सभी आरोपियों पर थाना सुरवाया (अपराध क्रमांक 38/26) और थाना खनियाधाना (अपराध क्रमांक 153/26) में हत्या व लूट की संगीन धाराओं के तहत मामले दर्ज थे।

गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका इस चुनौतीपूर्ण कार्य को अंजाम देने में थाना प्रभारी सुरवाया उप-निरीक्षक अरविन्द छारी और उनकी जांबाज टीम का विशेष योगदान रहा। टीम में शामिल सउनि सत्येन्द्र सिंह जादौन, प्रआर. हर्ष झा, मनीष सेन, कमलकिशोर कबीर, राजेन्द्र यादव, केशव तिवारी सहित आरक्षक विकास, जलज, मोहित शर्मा, अनूप द्विवेदी, देशराज राठौर, जसपाल सिंह और सहदेव तोमर की सक्रियता ने अपराधियों को कानून के घेरे में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मात्र 5 रुपये में 1 लाख 10 हजार से अधिक किसानों को मिला नया स्थाई कृषि पंप कनेक्शन

भोपाल. राज्य शासन द्वारा घोषित 'किसान कल्याण वर्ष 2026' के अंतर्गत किसानों को सिंचाई पम्प कनेक्शन आसानी से उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी के कार्यक्षेत्र में किसानों को अब मात्र 5 रूपये के प्रारंभिक शुल्क में नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब तक 01 लाख 10 हजार 478 कृषि पम्प कनेक्शन उपलब्ध करा दिये गये हैं।

भोपाल रीजन के 8 जिलों के 9 हजार 305 गावों में 85 हजार 362 कृषि पम्प उपभोक्ताओं ने तथा ग्वालियर रीजन के 8 जिलों के 7 हजार 284 गावों में 25 हजार 116 कृषि पम्प उपभोक्ताओं ने 5 रूपये में नवीन कनेक्शन योजना का लाभ उठाया है। कंपनी द्वारा कृषि पम्पों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने के लिए ऐसे कृषक जिनके खेत विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं, उनको प्रारंभिक शुल्क 5 रूपये में स्थाई कृषि पंप कनेक्शन प्रदान किये जा रहे हैं। कनेक्शन की शेष शुल्क राशि का भुगतान मासिक देयकों के साथ किश्तों में लिया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि आवेदक 5 रूपये में नवीन कनेक्शन के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए नजदीकी विद्युत केन्द्र/जोन अथवा कंपनी के कॉल सेन्टर नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा तिथि में किया संशोधन

भोपाल.राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा की तिथियों में संशोधन किया गया है। इस संबंध में समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। जारी कार्यक्रम के अनुसार पुनः परीक्षा का आयोजन 16 जून से 23 जून तक किया जाएगा। इसके बाद 24 से 28 जून के बीच उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

भाग रहा था, मौत बनकर... पुलिस ने धर दबोचा

स्विफ्ट कार से 9 पेटी शराब बरामद, तस्कर जेल रवाना

अतुल जैन

खनियाधाना। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिले में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खनियाधाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब का परिवहन कर रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 81 लीटर देशी प्लेन मदिरा की 9 पेटी एवं परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार सहित कुल 6,40,500 रुपये का मशरूका जप्त किया गया है।

28-29 मई की रात पनिहारा तिराहे पर दबिश

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिछोर प्रशांत शर्मा के निर्देशन में थाना खनियाधाना पुलिस 28-29 मई 2026 की रात कस्बा गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक स्विफ्ट कार क्रं. MP07 ZF 0544 में एक व्यक्ति अवैध शराब भरकर कदवाया रोड की तरफ जाने वाला है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरी. केदार सिंह यादव ने तत्काल टीम गठित कर पनिहारा तिराहे पर घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर द्वारा बताई गई स्विफ्ट कार तेज गति से कदवाया रोड की तरफ जाती दिखी। पुलिस टीम ने आगे जाकर वाहन को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख कार चालक वाहन से उतरकर भागने लगा, जिसे हमराही फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

कार से मिली 9 पेटी शराब, कीमत 40,500 रुपये

कार की तलाशी लेने पर उसमें 9 पेटी देशी प्लेन मदिरा मिली। प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वार्टर के हिसाब से कुल 450 क्वार्टर यानी 81 लीटर शराब बरामद हुई। जप्त शराब की कीमत 40,500 रुपये आंकी गई।

वहीं परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार क्रं. MP07 ZF 0544 की कीमत 6 लाख रुपये सहित कुल मशरूका 6,40,500 रुपये का जप्त किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संजीव लोधी पुत्र सीताराम लोधी, उम्र 29 साल, निवासी ग्राम खैरवास थाना पिछोर जिला शिवपुरी बताया। आरोपी से शराब रखने व बेचने का लाइसेंस मांगने पर उसने कोई वैध दस्तावेज न होना स्वीकार किया।

34(2) आबकारी एक्ट में मामला दर्ज, भेजा जेल

आरोपी संजीव लोधी का कृत्य धारा 34(2) म.प्र. आबकारी अधिनियम के तहत दंडनीय पाया जाने पर मौके से ही वैधानिक कार्रवाई की गई। थाने पर अपराध क्रमांक 196/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी को जेआर पर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट प्राप्त होने पर उसे उपजेल पिछोर में दाखिल कर दिया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरी. केदार सिंह यादव के नेतृत्व में सउनि राम सिंह भिलाला, सउनि जगदीश बंजारा, सउनि हजारीलाल जाटव, प्र.आर. नरेन्द्र सिंह पाल, प्र.आर. नीतू सिंह, प्र. आर. हीरा सिंह, आर. अनूप कुमार, आर. हेमसिंह गुर्जर, आर. जयवीर गुर्जर, आर. दीपक किरार, आर. अरुण शर्मा, आर. रवि वाथम, आर. उमेश लोधी, आर. अरविन्द्र सिंह कौरव एवं म.आर. हनीराजा चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

शिवपुरी में भक्तिमय हुआ वातावरणः 'ठेईया परिवार' द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

शिवपुरी से ऋषि गोस्वामी की रिपोर्ट

शिवपुरीः शहर के धर्मप्रेमी जनों के लिए आस्था और भक्ति का एक सुनहरा अवसर उपस्थित हुआ है।

श्री गुरुगोरखनाथ मंदिर (विष्णु मंदिर के सामने, मेला ग्राउंड के पास) में 'ठेईया परिवार' के मुख्य यजमानत्व में सात दिवसीय भव्य श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हो गया है।

वि द्वान व्यास का मार्गदर्शन इस पावन आयोजन में कथा व्यास की आसंदी को सुशोभित कर रहे हैं प्रसिद्ध बाल व्यास अंकित कृष्ण शास्त्री जी (श्रीधाम वृन्दावन)। अपनी ओजस्वी वाणी और मधुर शैली में शास्त्री जी श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत महापुराण के गूढ़ रहस्यों और प्रभु की लीलाओं का रसपान करा रहे हैं।

कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ

आयोजकः ठेईया परिवार, शिवपुरी।

कथा अवधिः 27 मई 2026 से 03 जून 2026 तक।

कथा का समयः प्रतिदिन दोपहर 03:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक।

विशेष सान्निध्यः यह आयोजन श्री श्री 108 श्री महंत पवन दास जी महाराज के विशिष्ट तत्वावधान और श्री श्री 108 श्री सीताराम दास जी महाराज (महामण्डलेश्वर) के सान्निध्य में संपन्न हो रहा है।

भण्डारे का आयोजन

कथा के समापन अवसर पर आगामी 03 जून 2026 को भव्य भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। भण्डारा दोपहर 12:00 बजे से शुरू होकर श्रद्धालुओं के आगमन तक अनवरत जारी रहेगा। ठेईया परिवार ने नगर के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कथा श्रवण करने और धर्म लाभ उठाने की विनम्र अपील की है।

शिवपुरीः 'द लर्नर्स एकेडमी' में धूमधाम से मनाया गया सक्षम जैन का जन्मदिन

शिवपुरी से ऋषि गोस्वामी की रिपोर्ट

विधायक देवेंद्र जैन के सुपुत्र को दी शुभकामनाएं

शिवपुरी। शहर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान 'द लर्नर्स एकेडमी' में आज एक विशेष आयोजन किया गया, जहाँ संस्थान के संचालक अंशुल जैन के नेतृत्व में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन के सुपुत्र सक्षम जैन का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

विद्यार्थियों के बीच उत्साह का माहौल कार्यक्रम में 'द लर्नर्स एकेडमी' के विद्यार्थियों ने सक्षम जैन के साथ मिलकर केक काटा और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी।

इस अवसर पर बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। अंशुल जैन ने बताया कि संस्थान में समय-समय पर ऐसे आयोजन करने का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज के बीच आपसी मेलजोल और खुशी के पलों को साझा करना है। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति इ स कार्यक्रम में पुरानी शिवपुरी मंडल के उपाध्यक्ष रितेक गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने सक्षम जैन को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान संस्थान के स्टाफ सदस्य और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे। खुशियों का साझा उत्सव सक्षम जैन ने केक काटकर और अ पने साथियों व शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए इस दिन को यादगार बनाया।

'द लर्नर्स एकेडमी' के प्रांगण में हुई इस छोटी सी पार्टी ने सभी के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने सक्षम के दीर्घायु होने और उनके सुखद भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मध्यप्रदेश में वरिष्ठजनों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की सुदृढ़ व्यवस्था

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को नई दिशा और गति प्रदान की गई है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित योजनाएं और पहलें इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार उनके सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा एवं अधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। बदलते सामाजिक परिवेश में जहां पारिवारिक संरचना में निरंतर परिवर्तन हो रहा है, वहीं वरिष्ठजनों की देखभाल और उनके अधिकारों की रक्षा एक महत्वपूर्ण विषय बनकर उभरा है। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकार दिलाने के लिए माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। यह अधिनियम वरिष्ठजनों को यह अधिकार देता है कि यदि वे स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं हैं, तो वे अपने बच्चों या संबंधितों से भरण-पोषण प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश में इस अधिनियम के तहत प्रत्येक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय को भरण-पोषण अधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय को अपील अधिकरण घोषित किया गया है।

रोग प्रबंधन में एआई भूमिका पर सराही गई शोध प्रस्तुति

इंदौर। आईआईटी इंदौर एवं आयोजित आईसीआईटीएस आईएफ़ 2026अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के संकाय सदस्यों द्वारा रोग प्रबंधन एवं रोकथाम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका" विषय पर एक महत्वपूर्ण शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

इस शोधपत्र में एआई कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से कैंसर की प्रारंभिक पहचान, पूर्वानुमान, जोखिम मूल्यांकन एवं रोकथाम के नवीन आयामों पर प्रकाश डाला गया।

इस संगोष्ठी में फार्मेसी संकाय के डॉ. प्रवीण खिरवड़कर तथा प्रबंधन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता,डा सलिल सिंह, डा. केना भोंसले, डा.अंकिता शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से शोध प्रस्तुति दी गई। शोधपत्र में विभिन्न अध्ययन, आंकड़ों एवं तकनीकी विश्लेषणों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियाँ असाध्य गंभीर रोगों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर समय रहते प्रभावी रोकथाम एवं उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रस्तुति के दौरान शोधकर्ताओं ने बताया कि मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स एवं प्रेडिक्टिव मॉडलिंग जैसी उन्नत तकनीकों के माध्यम से रोगियों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण कर संभावित कैंसर जोखिमों का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।

इससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ रोगों के प्रभावी प्रबंधन में भी सहायता मिलेगी।संगोष्ठी में उपस्थित विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों ने इस शोधकार्य की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

शोधपत्र में विशेष रूप से कैंसर की रोकथाम, शीघ्र निदान, व्यक्तिगत उपचार रणनीतियों तथा जनस्वास्थ्य प्रबंधन में एआई की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में देश-विदेश के अनेक शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के शिक्षकों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा, प्रो डा शैलेन्द्र कुमार शर्मा कुलानुशासक प्रो डा दीपक गुप्ता प्रो डा.कामरान सुल्तान फार्मेसी संकायाध्यक्ष प्रो. डॉ. कमलेश दशोरा, विश्वविद्यालय प्रशासन एवं विभिन्न संकायों के शिक्षकों ने शोधकर्ताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचार आधारित अनुसंधान समाज एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

नकली बायो डीजल बेचने वाले मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड मेथवाडा देपालपुर बायो डीजल पंप पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

लगभग 4 लाख 20 हजार रूपये से अधिक कीमत की 6000 लीटर नकली बायोडीजल जप्त

खाद्य विभाग की टीम ने पंप को मौके पर किया सील

इन्दौर. इंदौर जिले के देपालपुर मेथवाडा स्थित मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बायो डीजल पंप भागीदार सुनीता पति सुभाष केसवाल एवं सुभाष पति रामचंद्र केसवाल निवासी 1525 द्वारकापुरी इंदौर द्वारा अवैध रूप से नकली बायो डीजल की बिक्री करने पर खाद्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है।

खाद्य विभाग की टीम ने पंप को मौके पर सील कर दिया है। मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बायो डीजल पंप पर प्रारंभिक जाँच में नकली बायो डीजल होना पाया गया है। जांच की कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री शिव सुंदर व्यास देपालपुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री अजय अस्थाना द्वारा की गई।

बताया गया कि मे. इंदौर बायो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड बायो डीजल पंप की शिकायत प्राप्त होने पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा जांच की गई। प्रारंभिक जांच में नकली बायो डीजल पाए जाने पर पंप को सील किया गया है। इसके साथ ही पंप संचालक द्वारा राज्य सरकार के अधिकृत लाईसेंस प्राप्त छह कंपनी के सप्लायर से सप्लाई नहीं लेकर अनाधिकृत फर्म से सप्लाई लेना पाया गया। बताया गया कि पंप संचालक BS100 मानक का ही बायो डीजल विक्रय कर सकते हैं, बायोडीजल के मानक की डेंसिटी 900 से ऊपर होती है परंतु मौके पर डेंसिटी 860 पाई गई। मौके से कुल 6000 लीटर नकली बायो डीजल जप्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रूपये से अधिक है। नकली बायोडीजल के सैम्पल लेकर पंप में बिक्री बंद करवाते हुए पंप, डिस्पेंसरी यूनिट और भूमिगत टैंक को सील कर दिया गया है। बताया गया कि सैम्पल अधिकृत लेबोरेटरी में टेस्टिंग के लिए भेजे जा रहे हैं। नमूना रिपोर्ट आने के बाद में आगामी वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

इंदौर में 9 से 13 जून तक होगा अंतरराष्ट्रीय BRICS कृषि सम्मेलन- व्यापक तैयारियां जारी

तैयारियों का कलेक्टर-पुलिस कमिश्नर और अन्य सभी अधिकारियों ने बसों में बैठकर लिया जायजा

इंदौर में 9 से 13 जून तक कृषि विषय पर अंतरराष्ट्रीय महत्व का BRICS सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में BRICS देशों के मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे।

आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न कार्यक्रम स्थलों, बैठक स्थलों तथा अतिथियों के आवागमन मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एयरपोर्ट से लेकर अतिथियों के ठहरने के स्थानों तथा आयोजन स्थलों तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि मेहमानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही मालवा की सांस्कृतिक गरिमा और पारंपरिक आतिथ्य के अनुरूप उनका स्वागत-सत्कार सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एयरपोर्ट से मेरियट होटल और शैरेटन ग्रेंड पैलेस तक के मार्ग का बसों के माध्यम से भ्रमण किया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, एमपीआईडीसी के कार्यकारी अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि अधिकारियों की ब्रीफिंग, दायित्व निर्धारण और समन्वय संबंधी कार्य लगातार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से लेकर बैठक स्थलों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के ठहरने वाले स्थानों तक पूरे रूट प्लान का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया है। प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इंदौर और भारत के लिए गौरव का अवसर है। इसलिए प्रशासन पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है ताकि आयोजन में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इंदौर पूर्व की तरह इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का भी सफलतापूर्वक संचालन करेगा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश में कृषि वर्ष मनाया जा रहा है। इसी के तहत सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में प्रदेश की उपलब्धियों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। ढक्कन वाला कुआं स्थित हाट बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर कृषि आधारित प्रदर्शनियां एवं स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को प्रदेश के कृषि विकास मॉडल और नवाचारों की जानकारी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वाहन पूलिंग और ईंधन बचत के संदेश को भी व्यवहार में उतारा। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि अधिकारियों ने बसों के माध्यम से संयुक्त रूप से भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि इससे ईंधन की बचत के साथ-साथ समन्वित निरीक्षण भी संभव हुआ और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

इंदौर का यह सम्मेलन मध्यप्रदेश सहित भारत और पूरी दुनिया के कृषि क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर साबित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन न केवल वैश्विक खाद्य सुरक्षा, कृषि व्यापार, जलवायु परिवर्तन और किसान कल्याण जैसे मुद्दों पर नई दिशा देगा, बल्कि इंदौर को अंतरराष्ट्रीय कृषि संवाद के केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

यह पूरे देश के लिए गौरव का विषय है कि इस बार BRICS सम्मेलन 2026 भारत में हो रहा है और कृषि मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर का चयन किया गया है। आगामी 9 से 11 जून 2026 तक इंदौर में BRICS कृषि कार्य समूह (AWG) की बैठक होगी, जबकि 12 और 13 जून 2026 को सदस्य देशों के कृषि मंत्री यहां एकत्रित होकर कृषि और खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

इंदौर में होने वाली बैठक में वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण , जलवायु स्मार्ट कृषि, कृषि व्यापार को आसान बनाने, किसान कल्याण, आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान, ज्ञान साझेदारी, डिजिटल कृषि, प्रिसिजन फार्मिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और नवाचार जैसे विषयों पर गंभीर मंथन होगा।

जल संरक्षण और संवर्धन के पुनीत कार्य में देश का अग्रणी राज्य बना मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जल संरक्षण हमारा सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है।

इसी पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से एक पवित्र जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

6 हजार 330 करोड़ रुपये की राशि से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार कार्य हुए पूरे

जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के तहत राज्य में कुल 3,67,777 कार्यों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार पूरा किया जा चुका है, जबकि 1,51,093 कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस विशाल अभियान को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने के लिए राज्य

सरकार द्वारा कुल 10,644.02 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से अब तक 6,330.81 करोड़ रुपये (लगभग 59.5%) की राशि का उपयोग किया गया है, जो विकास की वास्तविक गति को दर्शाती है।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल क्रांति

ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज (कुआं पुनर्भरण) संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य 'अमृत सरोवरों' का कार्य शत्-प्रतिशत् पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सामाजिक, पर्यावरणीय और शैक्षणिक स्तर पर भी विशेष प्रयास किए गए हैं। वाटरशेड प्रबंधन के तहत 4,822 कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिससे भूमिगत जल स्तर में व्यापक सुधार होगा। वहीं, स्कूलों में स्वच्छता और शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 'WoW मोबाइल ऐप' के माध्यम से 5,275 पानी की टंकियों की सफाई का कार्य संपन्न कराया गया है। इसके अलावा, ' जल संसद जल बंधन 2.0' (JSJB 2.0) पहल के तहत 21.23 लाख से अधिक कार्यों का सफल पंजीकरण किया गया है, जिसमें समय पर कार्य पूर्ण करने की उत्कृष्ट दर 91.3% दर्ज की गई है।

देश के लिए मिसाल बनेगा मध्यप्रदेश का जल प्रबंधन मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मध्यप्रदेश इस दिशा में निरंतर नवाचार करता रहेगा।

यूनीवर्सल हॉस्पीटल एण्ड केयर सेन्टर इन्दौर की समस्त अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनों को किया गया सील

अपंजीकृत चिकित्सकों को नोटिस जारी करने के निर्देश

इन्दौर. कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार यूनीवर्सल हॉस्पीटल एण्ड केयर सेन्टर, स्कीम नम्बर 54 जिला इन्दौर पीसीपीएनडीटी पंजीयन क्रमांक 429 का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा विगत दिनों औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कई अनियमिततायें पायी गयी। जिसके पश्चात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा टीम बनाकर यूनीवर्सल हॉस्पीटल एण्ड केयर सेन्टर का गत दिवस निरीक्षण करवाया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अस्पताल में डॉ. अर्पित जैन एवं डॉ. सचिन भटेले अपंजीकृत चिकित्सक ईको सम्बन्धी कार्य कर रहे थे। उपरोक्त के संबंध में डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को अवगत कराया गया।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को डॉ. कल्पना भटनागर स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं श्रीमती दीपमाला बमने पीसीपीएनडीटी दल को मौके पर भेजकर यूनीवर्सल हॉस्पीटल एण्ड केयर सेन्टर में स्थित समस्त सोनोग्राफी मशीन तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुये सीलबन्द की गयी एवं पीसीपीएनडीटी प्रमाण पत्र नवीनीकरण पर रोक लगायी गयी एवं टीम द्वारा पंचनामा बनाकर कार्यवाही की गयी। कलेक्टर द्वारा अपंजीकृत चिकित्सक (डॉ. अर्पित जैन एवं डॉ. सचिन भटेले) को नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया।

एमपी ट्रांसको के नवागत अभियंताओं को दी जा रही है मेंटोर आधारित रोटेशनल ट्रेनिंग

इन्दौर. मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा नवागत सहायक अभियंता (पारेषण) प्रशिक्षुओं के कौशल विकास और व्यावहारिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से "मेंटोर आधारित रोटेशनल ट्रेनिंग मॉड्यूल" के अंतर्गत उन्हें कॉर्पोरेट ऑफिस के विभिन्न संकायों एवं कार्यालयों में रोटेशनल ट्रेनिंग दी जा रही है । नागपुर में संस्थागत प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके इन नवागत इंजीनियरों को केवल तकनीकी प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि अनुभवी विशेषज्ञ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कंपनी की कार्यप्रणाली, परियोजना प्रबंधन, मानव संसाधन, टेस्टिंग , वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की भी व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है ।

6 समूहों में दी जा रही है ट्रेनिंग

कुल 55 प्रशिक्षुओं को 6 समूहों में विभाजित किया गया है. जिन्हें कंपनी द्वारा नियुक्त वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ अधिकारियों के मेंटर पैनल द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेंटर अधिकारी प्रशिक्षुओं के कार्य का मूल्यांकन कर अपनी प्रतिवेदन रिपोर्ट कंपनी प्रबंधन को उपलब्ध कराएंगे।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित

इन्दौर. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी के मार्गदर्शन एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद गुप्ता के नेतृत्व में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर जिले में व्यापक जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर जीवन ज्योति हॉस्टल राऊ, सिविल चिकित्सालय महू सहित स्वास्थ्य विभाग की समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं तथा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित मोबाइल हेल्थ टीमों द्वारा विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों एवं छात्रावासों में किशोरियों एवं महिलाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा स्वास्थ्य परीक्षण किए गए।

कार्यक्रम में बताया गया कि आज भी समाज के अनेक हिस्सों में माहवारी को लेकर भ्रांतियां एवं संकोच की भावना विद्यमान है। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस का उद्देश्य इन मिथकों को दूर कर नागरिकों, विशेष रूप से किशोरियों को सही जानकारी उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी व्यवहार को बढ़ावा देना है। माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान नहीं रखने पर संक्रमण एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए सैनिटरी पैड, स्वच्छ कपड़े एवं साफ पानी के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि अनेक किशोरियां माहवारी के दौरान आवश्यक सुविधाओं के अभाव में विद्यालय नहीं जा पाती हैं। यह दिवस उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्मानजनक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। माहवारी एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है, जिसे लेकर किसी प्रकार की शर्म या संकोच की आवश्यकता नहीं है।

विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य माहवारी चक्र औसतन 28 दिनों का होता है तथा माहवारी की अवधि लगभग 5 दिनों की मानी जाती है। इसी आधार पर 28/5 अर्थात 28 मई की तिथि को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के रूप में चुना गया है।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस प्रतिवर्ष 28 मई को विश्वभर में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य आमजन एवं किशोरियों में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मिथकों एवं भ्रांतियों को दूर करना तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी व्यवहार को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में किशोरियों एवं महिलाओं को सेनेटरी नेपकिन भी वितरित किए गए।

धार्मिक और पूजा स्थलों पर भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं के मामले में मॉडल स्टेट बनेगा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन, सार्वजनिक सुविधाओं के विकास तथा सभी जरूरी नागरिक सेवाओं के विस्तार के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

प्रदेश के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देश के प्रमुख धार्मिक स्थानों पर भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरूरी व्यवस्थाओं का अवलोकन और अध्ययन किया जा रहा है। जिससे मध्यप्रदेश आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक मॉडल स्टेट के रूप में विकसित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को माता वैष्णो देवी धाम के लिए प्रस्थान करने से पहले जम्मू में स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता वैष्णो देवी धाम में श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं का मुआयना करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल यहां आया हुआ है। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पूजा स्थलों में उज्जैन का श्री महाकाल मंदिर, श्री महाकालेश्वर देवस्थान, श्री ओंकारेश्वर देवस्थान और भोजशाला शामिल हैं, जिसे हाल ही में माननीय हाईकोर्ट द्वारा मां वाग्देवी के मंदिर के रूप में मान्यता दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैष्णो देवी धाम में माता का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना करने जा रहे है। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर प्रबंधन द्वारा यहां एक विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और कई सेवा संस्थान भी चलाए जा रहे हैं। जिनसे श्रद्धालुओं और यात्रियों को दर्शन के लिए सुव्यवस्थित और संगठित व्यवस्था प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें सुगम और सुविधाजनक अनुभव मिल सके। हमारा प्रतिनिधिमंडल इन सभी व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगा इससे श्रद्धालुओं के लिए एक अच्छा सेवा प्रकल्प तैयार किया जा सके।

धार्मिक स्थलों पर बढ़ायेंगे सुविधाएं, करायेंगे आधुनिक विकास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हम प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं, यात्रियों और नागरिकों की सुविधाओं को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है। व्यवस्थाओं में और अधिक सुधार के उद्देश्य से हमारे प्रतिनिधिमंडल द्वारा देश के प्रमुख धार्मिक/पूजा स्थलों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का गहन अध्ययन किया जा रहा है। अध्ययन के उपरांत प्राप्त अनुभवों और प्रतिनिधिमंडल के सुझावों पर अमल कर मध्यप्रदेश सरकार सभी धार्मिक स्थलों पर सुविधाएं बढ़ाने के लिए सभी कदम उठाएगी। धार्मिक स्थलों पर सभी प्रकार के जरूरी एवं अत्याधुनिक विकास कार्य कराए जायेंगे तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं और नागरिकों की सुविधा एवं सेवा कार्यों को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उज्जैन में भव्य श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद अब श्री ओंकारेश्वर धाम में लगभग 3 हजार करोड़ रुपये की लागत से एकात्म धाम आकार ले रहा है। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के लिए भव्य और दिव्य आयोजन के लिए भी लगभग 30 हजार करोड़ रुपये लागत के निर्माण कार्य जारी हैं। साथ ही ओरछा में श्री रामराजा लोक का काम भी तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता वैष्णो देवी धाम अद्भुत है। यहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु 24 घंटे दर्शन करते हैं। श्राइन बोर्ड के पास वैष्णो देवी दर्शन के लिए आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु का ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार्मिक और पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्थाओं और सेवा के लिए सुविधाओं के साथ शैक्षणिक एवं समाज कल्याण की गतिविधियों का विशेष महत्व है। जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल श्री जगमोहन ने सालों पहले श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की स्थापना कर यहां श्रद्धालुओं के लिए अनेक सुविधाओं का विकास किया। आज माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन विभागाधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की है। हमारी सरकार अपना एक दल माता वैष्णो देवी भेजकर यहां संचालित व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन कराएगी।

सभी बैंक अधिकारी ध्यान रखें शासकीय योजनाओं के प्रकरणों को बैंकों में लंबित नही रहे-कलेक्टर श्री सिंह

बैंक अधिकारी अगली बैठक में पूरी तैयारी से आएं, प्रकरणों के लंबित प्रकरण रहे तो कार्यवाही होगी

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को बैंक अधिकारियों के साथ जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की बैठक में शासकीय योजनाओं के लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताते हुए प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी बैंकों में शासकीय योजनाओं के प्रकरण लंबित है। प्रकरणों का निराकरण करने के लिए बैंक अधिकारी मेहनत करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि शासकीय योजनाओं के प्रकरणों में प्रगति निराशाजनक है। सभी बैंक अगली बार तैयारी से आएं। अगली बार योजनाओं के प्रकरण लंबित रहे तो कार्यवाही की जाएगी।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर सभागृह शुक्रवार को चतुर्थ तिमाही 2026 की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ मुख्य श्री श्रेयांस कूमट, एलडीएम श्री संजीव कुमार मिश्रा एवं एलडीओ आरबीआई श्री राम पोरवाल भी मौजूद रहे। बैठक में शासन की शासकीय योजनाओं के विषय में समीक्षा की गई। जिसमें उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री स्व निधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, पीएएमएफएमई, मत्स्य-पालन, डेरी पशुपालन योजना, डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना एवं आजीविका मिशन स्वयं सहायता समूह, डे एनयूएलएम विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय के साथ जिले के शासकीय ऋण योजनाओं के लक्ष्य को प्राप्त करें। कलेक्टर ने विभिन्न बैंकों में शासकीय ऋण योजनाओं के लंबित प्रकरणों में प्रगति लाने के साथ ही अगली बैठक में तैयारी से आने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिस विभागों से योजनाएं है वे विभाग बैंकों में आवेदन लगाएं और देखें कि आवेदन स्वीकृत होने में क्या दिक्कत है, पहले उसकी जांच कर लें। इसी क्रम में आरबीआई एलडीएम श्री राम पोरवाल के द्वारा सभी शासकीय योजनाओं व वित्तीय साक्षरता पर प्रकाश डाला गया। साथ ही सभी ऋण लक्ष्यों प्राप्त करने को कहा गया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि सभी सरकारी योजनाओं के लक्ष्यों को पूर्ण कर खाताधारकों को जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया जाए जिससे सभी हितग्राहियों को अप्रिय घटना होने पर इसका लाभ मिल सके।उज्जैन 29 मई।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शुक्रवार को सभी बैंक अधिकारियों के साथ जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक ली । बैठक में बैंकों में शासकीय योजनाओं के लंबित प्रकरणों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रकरणों का निराकरण तेज गति से किया जाए। सभी बैंक अगली बार पूरी जानकारी के साथ बैठक में आएं।

खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए विशेष अभियान संचालित

उज्जैन। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने संभागीय उड़नदस्ता दल गठित किया गया है।

संभागीय उड़न दस्ता द्वारा वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसार उज्जैन संभाग के जिलों में निगरानी एवं निरीक्षण कार्यवाही कर ज्यूस, शीतल पेय, मिठाइयां, लड्डू आदि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के उद्देश्य से उक्त खाद्य पदार्थों के नमूनें संग्रहित कर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाने के निर्देश दिए गए है।

इसी क्रम में संभागीय उड़न दस्ते द्वारा 29 मई को उज्जैन शहर में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूना कार्यवाही की गई। टीम द्वारा श्री महाकाल मंदिर के आसपास के क्षेत्र में निरीक्षण दौरान होटल हरसिद्धि रेस्टोरेंट, चारधाम मंदिर पार्किंग के समीप से दही, पनीर, लस्सी एवं जलेबी के नमूनें संग्रहित किए गए तथा निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों अनियमितताओं जैसे - पर्याप्त सफाई की कमी, उचित रखरखाव की कमी, पर्सनल हाईजीन व खुली खाद्य सामग्री रखने आदि पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया।

इसके बाद टीम द्वारा सुरेश उपहार गृह एवं रेस्टोरेंट हरसिद्धि मंदिर के पास से दही, घी, लस्सी एवं सब्जी ग्रेवी के नमूने संग्रहित किए गए तथा यहां पर भी उपरोक्तानुसार कमियां पाये जाने पर धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। इसी प्रकार संभागीय टीम द्वारा गुदरी चौराहा स्थित सतयुग रेस्टोरेंट का निरीक्षण कर विभिन्न खाद्य सामग्रियों जैसे -गुलाब जामुन, बेसन मगज के लड्डू, बूंदी के लड्डू, मावा बर्फी, पिस्ता कसाटा मिठाई के नमूने संग्रहित किए गए। उपरोक्त सभी नमूनें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए, जिनमें जांच रिपोर्ट उपरांत अधिनियम अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। संभागीय उड़न दस्ता में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बी.एस. जामोद, श्री सुरेन्द्र ठाकुर, श्री बसंतदत्त शर्मा एवं श्री बी.एस. देवलिया तथा नमूना सहायक श्री प्रदीप लकड़े शामिल थे।

एनसीसी कैडेट्स का 07 दिवसीय आपदा प्रशिक्षण संपन्न

उज्जैनन। जिला कमाण्डेण्ट होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत जिले में संचालित युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 800 आपदा मित्र प्रशिक्षित कर विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत आपदा मित्र योजना का तृतीय सत्र विगत 19 मई से 26 मई तक आलोक इंटरनेशनल स्कूल में संचालित किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में दस एमपी एनसीसी बटालियन के 300 कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट कर्नल श्री विनीत कुमार के मार्गदर्शन में युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत 07 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।इस प्रशिक्षण में आपदा मित्रों को बाढ़, भूकंप, आगजनी एवं मेडिकल इमरजेंसी सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के तरीके कैडेट्स को एनडीआरएफ टीम एवं अन्य कुशल प्रशिक्षक द्वारा प्रदान किए गए।

पुलिस मुख्यालय परिवार द्वारा 4 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

अनुभव और समर्पण की विरासत को नई पीढ़ी के लिए आगे बढ़ाए : डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा

भोपाल. पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह मई में सेवानिवृत्त 4 कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। पुलिस महानिदेशक ने सभी को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस मुख्यालय से लगातार अनुभवी एवं समर्पित अधिकारी-कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिनके साथ कार्य करने का उन्हें अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में कार्य करना केवल नौकरी नहीं बल्कि चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जहां देर रात तक एवं अवकाश के दिनों में भी कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आने वाली युवा पीढ़ी को भी इसी ऊर्जा, अनुशासन एवं जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करना होगा, ताकि विभाग की गौरवशाली परंपरा निरंतर बनी रहे।

नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री ए.साईं मनोहर, उप पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती किरणलता केरकट्टा एवं अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे।

पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्रीमती सुनीता सिंह कुशवाह, मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा श्री मोहन लाल मेहरा, कार्यवाहक आंकिक/सूबेदार (एम) केन्द्रीय आवक जावक श्री मुकेश मिश्रा एवं कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक विशेष शाखा श्री दिनेश कुमार सक्सेना को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती इरमीन शाह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल की जानकारी दी। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

पन्ना पुलिस ने एपीके फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का किया पर्दाफाश

नोएडा से एक आरोपी गिरफ्तार

90 हजार रुपये नगद एवं मोबाइल फोन जप्त

भोपाल. मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार सख्त एवं तकनीकी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में पन्ना पुलिस ने एपीके (APK) फाइल इंस्टॉल कर साइबर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। आरोपी के कब्जे से 90 हजार रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

फरियादी गोपाल बंसकार ने 1930 साइबर हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत दर्ज कर बताया कि उसके सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया सिमरिया स्थित खाते से संचालित नवी यू.पी.आई. एप के माध्यम से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कुल 1 लाख 90 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई है।

शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पुलिस एवं साइबर सेल की एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों द्वारा फरियादी के मोबाइल फोन में एपीके (APK) फाइल इंस्टॉल कराकर मोबाइल का अनाधिकृत एक्सेस प्राप्त किया गया था। एपीके फाइल इंस्टॉल होने के बाद आरोपियों ने मोबाइल की संवेदनशील जानकारी, बैंकिंग एक्सेस, यूपीआई एवं ट्रांजेक्शन ओटीपी संबंधी जानकारी हासिल कर खाते से अवैध ट्रांजेक्शन किये।

पुलिस टीम द्वारा तकनीकी जांच एवं डिजिटल ट्रेल के विश्लेषण के दौरान पता चला कि 23 अप्रैल को फरियादी के खाते से 95 हजार रुपये तथा 27अप्रैल को पुनः 95 हजार रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किये गये थे।

विवेचना के दौरान बैंक खातों, मोबाइल नंबरों एवं साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड की घटनाओं को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 90 हजार रुपये नगद एवं एक मोबाइल फोन जब्त किया है। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई एपीके फाइल, संदिग्ध लिंक अथवा मोबाइल एप्लीकेशन को डाउनलोड एवं इंस्टॉल न करें। किसी भी परिस्थिति में ओटीपी, बैंक डिटेल, यूपीआई पिन अथवा मोबाइल एक्सेस किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें। साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन अथवा नजदीकी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराएं। मध्यप्रदेश पुलिस साइबर अपराधों के विरुद्ध सतर्क, सक्रिय एवं प्रतिबद्ध होकर आमजन की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

मध्यप्रदेश पुलिस की महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील एवं सख्त कार्यवाही

राजगढ़ में नाबालिग से बाल विवाह व दुष्कर्म मामले में 5 गिरफ्तार

आगर मालवा में मानव तस्करी की साजिश विफल

भोपाल. महिलाओं, बालिकाओं एवं कमजोर वर्गों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संवेदनशील अपराधों के विरुद्ध लगातार सख्त एवं त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश के राजगढ़ एवं आगर मालवा जिलों में पुलिस टीमों ने तत्परता, संवेदनशीलता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए मानव तस्करी, बाल विवाह, दुष्कर्म एवं महिलाओं के शोषण से जुड़े गंभीर मामलों में प्रभावी कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों से यह स्पष्ट हुआ है कि मध्यप्रदेश पुलिस महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है।

राजगढ़ जिले में थाना कोतवाली पुलिस ने 12 वर्षीय नाबालिग बालिका से बाल विवाह, खरीद-फरोख्त, दैहिक शोषण एवं प्रताड़ना के अत्यंत संवेदनशील मामले का खुलासा करते हुए 6 नामजद आरोपियों में से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री अमित तोलानी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

प्रकरण में सामने आया कि पीड़िता के पिता की मृत्यु के बाद उसकी मां की दूसरी शादी आरोपी पवन उर्फ परमाल गुर्जर निवासी गुना से कराई गई थी। इसके बाद आरोपी पीड़िता एवं उसकी मां को राजगढ़ लेकर आया, जहां सुनियोजित तरीके से 3 फरवरी 2025 को 12 वर्षीय बालिका का विवाह भोला उर्फ भोलाराम गुर्जर से करा दिया गया। आरोपियों द्वारा इस बाल विवाह के एवज में लाखों रुपये नगद एवं जेवरात लिए गए। विवाह के बाद नाबालिग के साथ दुष्कर्म एवं लगातार शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना की गई। मामले में अन्य आरोपियों द्वारा भी पीड़िता का शोषण किए जाने की जानकारी सामने आई है।

मामला थाना प्रभारी के संज्ञान में आने पर उन्होंने अत्यंत संवेदनशीलता एवं मानवीय

दृष्टिकोण अपनाते हुए बालिका की काउंसलिंग की, जिससे पीड़िता ने साहसपूर्वक अपनी आपबीती पुलिस को बताई। इसके बाद थाना कोतवाली राजगढ़ में पॉक्सो एक्ट, जेजे एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों में भोला उर्फ भोलाराम गुर्जर, देवराज गुर्जर, सागर गुर्जर, शैतानबाई तथा पीड़िता की मां शामिल हैं। वहीं मुख्य आरोपी पवन उर्फ परमाल गुर्जर फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक राजगढ़ द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है।

इसी प्रकार आगर मालवा के थाना बड़ौद पुलिस ने मानव तस्करी एवं जबरन विवाह कराने की साजिश का पर्दाफाश करते हुए त्वरित कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार कर युवती को सुरक्षित संरक्षण में लिया। पुलिस अधीक्षक आगर मालवा श्री दिलीप कुमार सोनी के निर्देशनमें यह कार्रवाई की गई।

प्रकरण में बैतूल निवासी युवती द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई कि वह इंदौर में कार्य करने जा रही थी, तभी शाहपुर बस स्टॉप से कुछ व्यक्तियों ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसे वाहन में बैठा लिया। आरोपियों द्वारा युवती को राजस्थान निवासी व्यक्ति से जबरन विवाह कराने एवं रुपये लेकर बेचने की योजना बनाई गई थी। विरोध करने पर युवती को जान से मारने एवं अन्य स्थान पर बेच देने की धमकी भी दी गई।

घटना के दौरान पीड़िता ने साहस दिखाते हुए पुलिस कंट्रोल रूम आगर को सूचना दी। सूचना प्राप्त होते ही डायल-112, कंट्रोल रूम एवं थाना बड़ौद पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और तकनीकी विश्लेषण एवं लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र में सघन घेराबंदी की गई। पुलिस टीम के पहुंचते ही आरोपी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने तत्परता एवं सूझबूझ से कार्रवाई करते हुए युवती को सुरक्षित बरामद कर आरोपी ईश्वर सिंह बागरी को गिरफ्तार कर लिया।थाना बड़ौद में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस द्वारा न केवल त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, बल्कि पीड़ितों को सुरक्षित वातावरण, संरक्षण एवं न्याय दिलाने हेतु संवेदनशील पुलिसिंग को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।